गुरु गोबिन्द सिंह पब्लिक स्कूल

जनवृत – 5/बी0,बोकारो स्टील सिटी

कक्षा–10वी0 विषय–हिन्दी पूर्णांक: 80 अंक

खण्ड 'क' (अपठित बोध)

प्र०1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

किसी भी कार्य को बार-बार करना अभ्यास कहलाता है। अभ्यास के द्वारा व्यक्ति असंभव से असंभव कार्यों को भी संभव बना लेता है। आरंभ में कोई भी व्यक्ति किसी भी कार्य में निपुण नहीं होता। अभ्यास के द्वारा ही कुछ समय बाद वह लक्ष्यप्रीतिष्ठ बन जाता है। जड़मीत अर्थात् मूर्ख भी अभ्यास के द्वारा सुजान अर्थात बुद्धिमान हो जाते हैं। अभ्यास आत्मविश्वास का सर्वोत्तम साधन है। कक्षा में हमेशा भागने वाला बोपदेव और आत्मविश्वास के कारण प्रसिद्ध संस्कृत वैयाकरण बना। संसार के श्रेष्ठ विद्वान, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, संगीतकार, गायक तथा अन्य प्रख्यात व्यक्ति कठोर परिश्रम करके ही महान बने। एकलव्य लगातार अभ्यास के द्वारा श्रेष्ठ धनुर्धर बना।

हमारी प्रत्येक योजना की सफलता का रहस्य निरंतर अभ्यास एवं कठोर परिश्रम में छिपा हुआ है। पेड़ के नीचे सोया हुआ मूर्ख केवल आम-आम चिल्लाने से कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान उसकी सहायता करते हैं जो स्वयं अपनी सहायता करते हैं।

शीघ्रता या उतावलापन अभ्यास का दुश्मन है। यह एक ऐसी फसल है जिसका बीज बोकर फसल के पकने का इंतजार करना पड़ता है। अभ्यास सदैव अच्छे कार्य का ही होना चाहिए क्योंकि हमें सुजान से जड़मीत नहीं बनना है बल्कि जड़मीत से सुजान बनना है।

(क) कार्य को बार-बार करना क्या कहलाता है? 2

(ख) अभ्यास का व्यक्ति के जीवन में महत्व स्पष्ट करें। 2

(ग) आत्मविश्वास का सर्वोत्तम साधन क्या है तथा कैसे? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें। 2

(घ) अभ्यास कैसे कार्य का होना चाहिए और कैसे का नहीं? स्पष्ट करें। 1

(ङ) अभ्यास कैसे कार्य का दुश्मन है? 1

प्र०2 निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

नाम अलग है देश-देश के, पर वसुंधरा एक है,
फल-फूलों के रूप अलग पर भूमि उर्वरा एक है.
धरा बाँट कर हृदय न बाँटो, दूर रहो संहार से॥

कभी न सोचो तुम अनाथ, स्वार्थी या निष्प्राण रे।
बूँद-बूँद करती है, मिलकर सागर का निर्माण रे।
लहर-लहर देती संदेश यह, दूर क्षितिज के पार से॥
धर्म वही है, जो करता है मानव का उद्धार रे।
धर्म नहीं वह जो कि डाल दे दिल में एक दरार रे।
करो न दूषित आँगन मन का, नफ़रत की दीवार से॥
सीमाओं को लाँघ, न कुचलो स्वतंत्रता का शीश रे।
बमबारी की स्वर लिपि में मत लिखो शांति का गीत रे।
बँध न सकेगी लय गीतों की, ऐसे स्वर विस्तार से॥
राजनीति में स्वार्थ न लाओ, भरो न विष संसार में,
पशुता भरकर संस्कृति में, मत भरो वासना प्यार में,
करो न कलुषित जन-जीवन तुम, रूप-प्रणय व्यापार में॥

(क) देश और वसुंधरा में क्या संबंध है? 2
(ख) हृदय नहीं बाँटने के लिए कवि ने क्या परामर्श दिया है तथा क्यों? 2
(ग) सागर का निर्माण किससे हुआ है? 1
(घ) धर्म क्या है? 1
(ङ) कवि किसे धर्म नहीं मानता? 1

खण्ड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण

प्र.3 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- 3
(क) श्रेया गा कर चली गई। (संयुक्त वाक्य में बदलें)
(ख) नीली आँखों वाली उस लड़की को बुलाओ। (वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलें)
(ग) उसने घर पहुँच कर अपने पूज्य पिता जी के पैर छुए। (वाक्य का भेद बताएँ)

प्र.4. निर्देशानुसार वाच्य बदलें- 3
(क) हम रोज नहाते हैं। (भाववाच्य में बदलें)
(ख) उसके द्वारा गाना गाया गया। (कर्तृवाच्य में)
(ग) मृणाल गाना लिखता है। (कर्मवाच्य में बदलें)

प्र.5 निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- 1
(क) श्याम का घोड़ा मैदान में हरी घास चरता है। 1
(ख) उसके द्वारा कल एक पुस्तक दी गई थी। 1
(ग) चिड़ियाँ आकाश में उड़ रही है। 1
(घ) राम धीरे-धीरे बोलता है। 1
(ङ) जो देश के सच्चे भक्त है, वे देश पर न्योछावर हो जाते है। 1

प्र.6 निम्न वाक्य में वाच्य के भेद का नाम बताएं। 1
(क) रोगी से चला नहीं जा सकेगा। 1
(ख) हम पैदल नहीं चलेंगे। 1

(ग) रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं? लिखे। 2

प्र.7. खण्ड 'ग'

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें -

उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुःख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुःख-तकलीफ़ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े-से बड़े दुःख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी राहत से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नई राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों में सस्ती किस्म शांति भी।

(क) जादू भरे शब्द क्या हैं? 1

(ख) फ़ादर को किसकी चिंता थी तथा क्यों? 2

(ग) फ़ादर का तर्क कैसा होता था? लेखक को क्या याद आ रहा है? 2

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए. 2x4=8

(क) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर कामिल बुल्के का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) लखनवी अंदाज़ के लेखक ने नवाब की नवाबी का प्रदर्शन कैसे किया है?

(ग) भगत जी कबीर के सच्चे भक्त थे। कैसे? सिद्ध कीजिए।

(घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

प्र. 9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें।

सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसु धरहिं अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
येहि धनु पर ममता केहि हेतु। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतु॥
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारि धनु बिदित सकल संसार॥

(क) मुनि के वचन सुनकर लक्ष्मण क्या बोले? 2

(ख) लक्ष्मण की बात पर क्रोधित होकर परशुराम ने क्या कहा? 2

(ग) परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले राजा को क्या करने को कहा? 1

प्र. 10. ~~प्रश्नों के उत्तर दें.~~

(क) गोपियों ने उद्धव को बड़भागी क्यों कहा है? उनकी दृष्टि में उद्धव कैसे व्यक्ति हैं? 2x4=8

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों के किस स्वरूप का वर्णन किया है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'अयमय खँड़ न ऊखमय' से क्या अभिप्राय है और यह कथन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(घ) कवि ने 'श्रीब्रजदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा है?

प्र.11 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर उन नकारात्मक मूल्यों का उल्लेख कीजिए, जिनके कारण आपाधापी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी? 4

खंड 'घ' (लेखन)

प्र.12 दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए- 10

(क) समाज के उत्थान में नारी की भूमिका
- भूमिका
- प्राचीन काल में नारी
- हमारे परिवेश में नारी
- वर्तमान नारी का कार्य क्षेत्र
- उपसंहार।

(ख) वृक्षारोपण
- मानव तथा प्रकृति का अन्योन्याश्रय संबंध
- वृक्षारोपण सभी का सांस्कृतिक दायित्व
- वृक्षों का महत्व।

(ग) बिपत्ति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत
- मनुष्य को मित्र की आवश्यकता
- सच्चे मित्र के गुण
- सच्चा मित्र कैसे बने
- मित्र का चयन कैसे करें
- मित्रता का निर्वाह
- त्याग एवं सहिष्णुता आवश्यक।

प्र.13 प्लास्टिक की चीजों से हो रही हानि के बारे में किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखकर अपने सुझाव दीजिए। 5

प्र.14 आप एक पुराना टेलीविजन बेचना चाहते हैं। इस आशय का एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। 5

x x x

Madhu.